



उल्लास गीत

राज्य साक्षरता केंद्र प्रकोष्ठ (SCL)

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, छत्तीसगढ़

संरक्षक -

दिव्या उमेश मिश्रा
(भा.प्र.से.)

संचालक

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और
प्रशिक्षण परिषद, छत्तीसगढ़, रायपुर

एवं

सदस्य सचिव

राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण, छ.ग.

मार्गदर्शक -

जे.पी.रथ

अतिरिक्त संचालक

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और
प्रशिक्षण परिषद, छत्तीसगढ़, रायपुर

संकलन -

डेकेश्वर प्रसाद वर्मा

प्रकोष्ठ प्रभारी

(राज्य साक्षरता केन्द्र प्रकोष्ठ)

एस.सी.ई.आर.टी., छत्तीसगढ़, रायपुर

“उल्लास गीत अनुवादक”

बघेली -	योगेन्द्र पटेल
बैगानी -	डाइट कबीरधाम
भतरी -	भरत कुमार गंगादित्य
छत्तीसगढ़ी	डाइट दुर्ग
(दुर्ग संभाग) -	
छत्तीसगढ़ी	डाइट रायपुर
(रायपुर संभाग) -	
धुरवी -	हितप्रिता ठाकुर,
	नीलूराम कोराम
दोरली -	डाइट सुकमा
गोंडी (दंतेवाड़ा) -	डाइट दंतेवाड़ा
गोंडी (कांकेर) -	डॉ. धनाजूराम नरेटी
गोंडी (बस्तर) -	नीलूराम कोराम
हल्बी -	हितप्रिता ठाकुर
कमारी -	डाइट नगरी
कुडुख -	एस.संगीता भोई
माड़िया -	विष्णु लाल गोटा
सादरी -	कु.पूजा बड़ाईक
सरगुजिहा -	विजय कुमार सिंह
आभार -	
डाइट बस्तर	डाइट कबीरधाम
डाइट दुर्ग	डाइट कोरिया
डाइट खैरागढ़	डाइट कांकेर
डाइट जांजगीर-चांपा	डाइट दंतेवाड़ा
डाइट धर्मजयगढ़	डाइट नगरी
डाइट नारायणपुर	डाइट जशपुर
डाइट अंबिकापुर	

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, छत्तीसगढ़

हिन्दी

उल्लास गीत

शिक्षा का हम पंख लगाके, छुलें हम आकाश,

पढ़-लिख साक्षर हो रहे हैं, जगा है मन में अब उल्लास,

अक्षरों को भी मैं जानू, अंकों से पहचान बढाऊं,

मेरा है सबसे सुनहरा, दुनिया के संग दौड़ लगाऊं,

कर पाऊं डिजिटल लेन देन, पढ़ पाऊ सारे काग-जात,

होगा उल्लास अगर पढ़ने का, तभी बनेगी ये बात,

लगाना था जहाँ अंगूठा, होंगे वहाँ हस्ताक्षर,

कक्षा बना उल्लास को जन-जन होगा साक्षर,

मन है उल्लास पुरा है उल्लास, जी हों,

जन-जन होगा अब साक्षर, उल्लास के साथ,

आइए नवभारत इस साक्षरता कार्यक्रम में बढाएं हाथ।



बचेली

उल्लास गीत

पढाई कर हम पखना लगाह कय, अब हम असमान का,
पढ लिख कय हम, शिक्षित होइत लाहे,
उठी हवय हमरे मन मे खुशी,
अंकन का चीन्हब बढाऊब,
अक्षरन क हम जानि कय,
हमार हवय सबसे निकहा,
दुनिया के साथ दउडब बढाऊब,
हमार हवय सबसे निकहा,
दुनिया के साथ दउडब लगाऊब,
कय लेब डिजिटल लेन देन,
होई खुशी अगर पढय केर,
लगावय का रहा जहा अउठा,
कलास बनी खुशी सगला,
पढब सगला कागज पत्री,
तबय बनी इया बाति,
उहा करब अब दसकति,
मन होइही पढा लिखा,
हमरे भने म हवय खुशी पूरी हवय खुशी,
हा जरूर सब मनई अब पढिही अउर साक्षर होइही,
आबा नवभारत के या साक्षरता मा हाथ बढाई।



कोरिया राजमहल, बैकुंठपुर

बैरानी

उल्लास गीत

शिक्षा कर हम पांख लगाय के छी लेबो अगास
पढ लिख हुंसियार होवत हांय

जाघा हाय मन म उल्लास
गोदा ए मैहो जानव

छापा कर पहिचान बणांऊं
मोर अहय सबले सुघघर

दुनिया कर संगे दवड़ जांव
कर पाहुं डिजिटल लेन देन
पढ पाहुं सप्फो कागद
होही उल्लास फेर पढे कर

तप्फेर बंडही ई गोठ
लगेकी रहय जहाँ अंगठा
होही उहां दस्कत
कक्षा बंडीस उल्लास का

सबझन होही अब हुंसियार
मन मा हाय उल्लास पुरा हाय उल्लास
उल्लास कर संगे
बुता मा हांत बढो

सुनहेव सबझड़ होही अब हसियार
आयाहेव नवभारत ई हुंसियार होये कवोर

भोरमदेव मंदिर, कन्नधारा



भूतरी

उल्लास गीत

सिखयार आमी पाकटि लगाई करि सरग के आमी छियिबू।

पडि लिखि करि सिखित होयबू आचू, मन ने हरिक आचूं।।

अखर के पने मुंई जानी, हिसाब के चितायके सकें।

मोर सपना आचे सुंदर, दुनियार संगे पराइके सकें।

करके सकें डिजिटल लेनदेन, पडके सकें सबू कागत पतर।

होयसी तेबे हरिक पडवार, तेबे बनसी ये गोट बात।

चेपायबार रये जोन थाने अंडका, हांय थाने होयसी दस्कत।

मीत बनसी उल्लास आवरी सबू सबू होयबाय सिखित।

मन ने आचे हरिक, सबू आचोत हरिक

सते आय, सबू सबू एबे होयबाय सिखित,

आसा नवभारत ये साकछरता सिखित काम ने सबू मिसि करि संग दे।

चित्रकोट जलप्रपात, बस्तर

उल्लास गीत

सिक्छा के सुधर पाँख लगाके,

छू लन ग अगास।

पढ लिख के साक्छर होवत हन,

जागिस अब उल्लास॥

अक्षर मेहा जानव,

गिनती ल जम्मो पहिचानव

मोर हे सोनहा आखर,

दुनिया संग मेहा दउड लगावौ॥

डिजिटल लेना देना करिहौं,

पढ्ह चिट्ठी पाती॥

उछाह होही पढे लिखे के

तभेच तो बनहि बात।

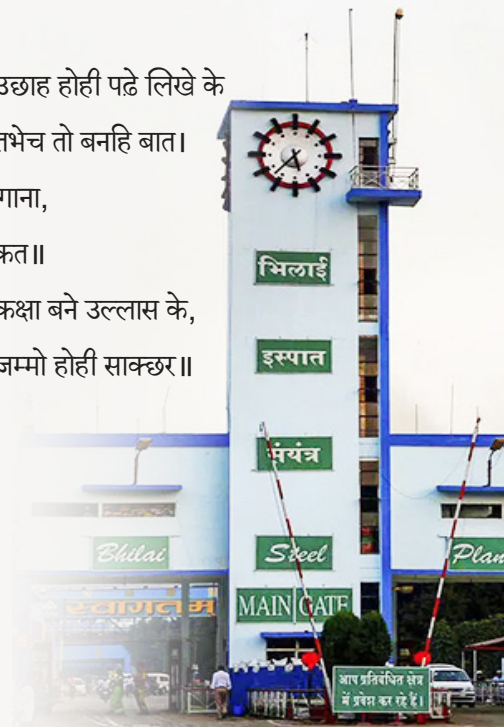
जहां अंगुठारिहिस लगाना,

अब ऊहां करबौ दसकत॥

कक्षा बने उल्लास के,

जम्मो होही साक्छर॥

भिलाई इस्पात संयंत्र, भिलाई



उल्लास गीत

शिक्षा के पाखी लगाके, छू लेबो अगास।

पढ लिख सकछर होवत हन, जागिस मन म उल्लास॥

आखर - आखर ल मय जानव, गुनव गिनती पहिचान।

मोरो हावय सुधर सपना, जग म दउड़ लगावव| शिक्षा के पाखी....

डिजिटल करौ लेन देन, पढ पॉवव कागजात।

पढे बर उछाह जब होही, तभेच बनहि जी बात| शिक्षा के पाखी....

लगात रेहेन जिंहा अँगठा, अब लिखबो जी नाव|

बनही मितान उल्लास ह, होही जम्मो साक्षर|| शिक्षा के पाखी....

मन म हवय उल्लास, पूरा हवय उल्लास, पूरा हवय उल्लास,

“सिरतोन सब झन होही अब साकछर, उल्लास के संग|

बढाके अपन हाथ नवा भारत म, भरव साकछरता के रंग ल॥”



लक्ष्मण मंदिर, सिरपुर

शुक्रवा

उल्लास गीत

पोढरान केन्दील काट्टीकीली, टोडार आम् बादोरीन,
पोढी लिकी साक्षर ऐरमोम, चेतोमो मेन्नती वेडका,
आक्षेर बानेल आन जानूरान गेनतीन चिताक ओडतेन,
आन्न केलायकूड निक्को सुंदरे, आन दुनियेन चेंगाड तुलेमेन,
चाजूंग ओडतेन डिजिटल लेनदेन पोढू ओडतेन जाम्मा कागजात,
पोढरान वेडका मेन्ती ऐरोड, तेबेगो बानूरा ऊबाल पाहठा
चेपाकतीन आनू ईना वान्दा, चाजूरान ऐदँय आनू देस्केत,
मीतबांधी वेडकेती ऐबोर, रैयत हेररर जाम्मा साक्षर,
मेन्ती वेडका जाम्मा बेडका, सेते आय, रैयत ऐररर साक्षर,
बेडका सेंगे वेस्स पुनभारत तो साक्षरता कार्यक्रमूग चेंगा चियार
चेन्दान पाव केल चेंगाड।

तीरथगढ जलप्रपात, बेस्तर



दोरली

उल्लास गीत

सदवनाद मम्मा रेक्का वाटी मुटनाद इंजे मबीन

सदवी राशि तेल्व टेटा आसोर मनेम मम्मा,

इंजे मनसते संबरम इंजे मनसते संबरम

अक्षरा कीन लेक्की पुंज,

मोक्का कीन अवटे एरका पेरपिसी

नावद इंजे कल्लद साया दुनियात टोटे मिरितान

तुंगीतानु डिजिटल इसोर तीसोर सदव आलितीन अंता कायदाकीन

अद नार संबरम तेसदवकु असकेन आयते इमाटा, असकेन आयते इमाटा

आलस्तान एरका अते, आयते अग संदकम

जोका संबरम अतोर जनम अंता आयतोर सदवनाद

मनसते संबरम मोताम संबरम मोताम संबरम।

बैलाडीला लौह अयस्क खदान, बचेली

गोंडी (दंतेवाड़ा)

उल्लास गीत

ज्ञान ता रक्का वाटी जमय, ऐटा तल इन्जे मोयोल तग
पोडेम लिखेम आस गंज ज्ञान करयोमतोम जमय जगे मत्ता मनते मिंदे इन्जे वेडका
अक्षरी किन नन वेड पुन्दम तन अंकी किन सीता कीस बडाकियामतन
नन ईन्जे नेलोटा माटा थे दुनिया तिन संग मिरीतन
किया परदिन डिजिटल ते तलका इय, पोडेम आया परदितन कोन्डे करोतिन
असके वेडका मिंदे पोडेम आयनद असूट ही आता इद माटा
बेग्गा कय अदमनद सत्ता अग्गा इन्जे लिखा कि नद अत्ता
संग तह उमके वेडकी कोन्डे मूल इन्जे आतोड साक्षर
मन मिददे बेडका, उनके मिददे बेडका
जहाँ जन-जन आतड इन्जे साक्षर वेडका,
ते संग वाइट नवभारत साक्षरता पंडून ते
अभियान त कय बटा किमूट वेडका,
तिन संग भारत सरकार ओड जागरूक पंडुम



दंतेश्वरी माता मंदिर, दंतेवाड़ा

उल्लास गीत

पइहे कियना तंग मारेकिंग कीस, ऊंगिट इदेक माट पोरो जोजोन,
पइहे कीस कोट्स पुंतोरोम माट, सेते माता गोक ते इदेक गिरिदा,
सेते माता गोक ते इदेक गिरिदा।

आचेरिन्ग गला ना पुंदका, अंकिनह नना पोरोय बरसिहका,
नावंग टपिंग आन्दुग बयहा नंग, दुनिया संग नना वितका।
किया परका असल दा लेनदेन, पइहे किया परका सपाय कागेतिंग,
आयर गिरिदा ते आचेर करियना, अस्के बने मायर इद पोल्लो,
अस्के बने मायर इद पोल्लो।

लगेह कियाना अग्गा मुंडंग वइंज, आयनंग अग्गा दस्कतिंग,
कक्षा बने मात गिरिदा ते, मानेय्क आयनूर इक पुल्लेर,
गोक ते मन्ता गिरिदा, सपोयमन्तोर गिरिदा, कुडुहले मन्तोर गिरिदा।
इंगों... सपोय मानेय आयनूर इदेक आचेर पुल्लेर पइहे कीलेर।
गिरिदा गिरिदा ते। वाट-वाट” नव भारत साक्षरता कार्यक्रम” ता इद जलसा ते
संग हेवीट, भारत सरकार ता उन्द सोबाय ता पोल्लो आन्द।



उल्लास गीत

करितिनद रेक्का वाटी मम, एवदीताल पोर्रोटद मोयोलतिन मम,
पोडेम लिकेम आस पुंदारोयताल, मनते पेड़सीता इदाम वेड़का,
अक्चरी किन बैड नन्ना पुंदितान, लेक्कात पुंदानद पेड़सीतितान,
नावा मेंदे इदाम नेल्टा सपना, रियासता संगे मिरिं तान,
किया परदीतान डिजिटल लेन-देन, पोडेम कियापरदीतान कोंडे कागेती,
वेड़का वाता वेंडे पोडेम ता, वेंडे बनेम आता इद माटा ता
अग्गा वाटनाल मोटोह वेड़ंज ते, अग्गा आता इदाम दसकत ते,
गोत बनेम अन्ता वेड़का ते मानेक-मानेक आतोड़ साक्षर,
मनते में बेड़का, कोंडे में बेड़का, कोंडे गेंदे वेड़का,
निज्जाम इंगो मानेक- मानेक आतोड़ इदाम साक्षर, बेड़काते।
बड़ाट नवभारत इद साक्षरता कार्यक्रम ते पेड़सीतिकाल कयदे।



उल्लास गीत

सिखया चो आमी पाखी लगाउन सरग के आमी छिऊंसे.....

पदन लिखुन साक्षर होऊं से मन ने हरीक होऊ से.....

आखर मन के बले मय जाने गिनती के चिताऊक सकें.....

मचो सपना आय खुब्बे सुंदर मैं संसार संगें संग परायें.....

कस्क सकें मैं डिजिटल लेनदेन पढुक सकें सफाय कागजात.....

पढतो हरीक जे मन ने होय दे तेबय बनेदे ये गोठबात.....

चेपाते रहें मैं जे ठाने अंडखा करेंदे हुता अदांय मैं दसकत.....

मीत बनाउन उल्लास के अबर रैयत होदे जमाय साक्षर.....

मन आसे हरीक, सपाय आसोत हरीक

सते आय, रयत होदे अदांय साक्षर उल्लास संगे

इया.... नवभारत चो साक्षरता कार्यक्रम ने संग देऊ

बाढती चो डांहका संगे.....



मेन्त्री युमर जलप्रपात, बस्तर

कमारी

उल्लास गीत

शिक्षा चो आम पाख लागाउन, छियवा आम आकाश

पढ़ून लिखून साक्षर होऊँ दे, उठियो मन उल्लास

अक्षर घला क आम जानू, गिनती ये चिन्हा वाढाऊँ

दनियों चो संघे धावडूँ, करूँ सकूँ डिजिटले लेन-देन

पढ़ूँ सकूँ सपुय काग-जात, होलो हरिख तभय पढ़ूँक

लभय बनतो यो बात, लगत ठाय, जहाँ आंगठो

होतो हुथा अब दसकत, मित बनावा उल्लास क

जन-जन होतो अब साक्षर, मने आह्य हरिख

पूरा आह्य हरिख, होय जन-जन होतो अदांय साक्षर उल्लास चो संग

इहा नवोभारत साक्षरता कार्यक्रम चो यो अभियान

ये वादावा हाथ उल्लास चो संग

लालच भारत सरकार चो एकय बनियो पहल।

गंगरेल बांध, नगरी

कुडूस

उल्लास गीत

लूर गाही डेना लगाबअर मेरखन ऐसड ओत
पढआ लिखअर की होसियार मनादत
मने मन जू खुसी कुंदुरकी रई:
अक्षरारीन एन अखओन
अंक नीन हूँ चिन्होन एन्है उरमिनती दौ
दुनिया सगै बोंगोन
डिजीटल लेन देन मना ओंगोल
अगर पढना ही खुशी रओ
होलेम एकला कक्षा बनओ
एकसन ठेपा लगाबाअना रहचा
आसानीम नामे लिखओम
उरमी आलर ही बुधियार नागे कक्षा दीम खुसी चिओ
मनेमन ही खुसी उरमी ही खुसी
हाँ ओरमार ही खुसी बुधियार मन्नातीम
बरा फना भारत ही ई साक्षरता कार्यक्रम नू नीम खेखा बढाओत



गोमर्डा अभ्यारण्य, रायगढ़

उल्लास गीत

शिक्षा ता मारेंग कगसी, बोयांग इन्जेक मोयोल
पढे-लिखे मास शिक्षित आयनल, तेद ता मन ते इन्जेक गिरदा,
तेद ता मन ते इन्जेक गिरदा, पढे मायना तुन नन्ना पुन्दाकान,
लखना तुन बरा नन्ना पुन्दाकान, इन्जेक आन्द नावा सोबले कनकड,
दुनिया ता संग नन्ना मंदाकन, किया पगयाकान फोन ते बूतो,
पढे मायकान सबे कागदिंग, मन्दाग गिरदा पढे मायना ता,
अस्केन आयग इद पोलोय, लगे मांद बगा अंगूठा,
आयग इन्जेक अगा हस्ताक्षर, अनि इदे गिरदा ते, सबेटोर आयनुर शिक्षित
मन ते मन्ता गिरदा, सब ते मन्ता गिरदा, सब ते मन्ता गिरदा
इंगो रा, केन्जाट रा इन्जेक सबेटोर आयनुर गिरदा-गिरदा शिक्षित।
वाटु, पुजा भारत शिक्षित कार्यक्रम ता इद अभियान ते गिरदा-
गिरदा सबेटोर जुडे माम्ट।
गिरदा-गिरदा पढे-लिखे कियना, भारत सरकार ता उन्द सोबले
डाका।



उल्लास गीत

शिक्षा कर पंख लगाइके, हमे हम आकाश में छुलोब,
पईड-लिईख के साक्षर होवथे, जाईग हे मन में अब उल्लास,
आकक्षर के भी मोय जानबू, अकों मन से भी पहचान बढ़ाबू
मोर हैइक सबसे सुनहरा, दुनिया कर संग दौड़ लगाबू,
कईर लेबू डिजिटल कर लेन-देन, पईढ पाबू सब काम-जात,
अगर होई उल्लास पढेक कर, तबे बनी ई बात,
लगायेगा रेहे जे ठन अंगूठा, ऊठन होई हस्ताक्षर,
कक्षा बनी उल्लास कर तब सब कोई होजाय साक्षर,
मन हेईक उल्लास पूरा होईक उल्लास,
जी हां सब कोई होबाय अब साक्षर उल्लास कर साथ
आवा नवभारत ई साक्षरता कार्यक्रम बढ़ाईला हाथ



उल्लास गीत

शिक्षा कर हम पॉएख लगाए छू लेबो आकाश,

पइढ़ लिख साक्षर होवत हन हम, जागिस मन में अब उल्लास।।

अक्षर मन ला घलो मै जानो, अंक मन ला भी पहिचानों।

मोर हवे ये सुध्धर सपना, दुनिया संघे दउड़ के मानों।

कर पाओं डिजिटल लेन देन, पइढ़ पाओं जम्मो कागजात।

होही उल्लास अगर पढ़े कर, तब्बे तो बनही ये बात।

लगत रहिस जिहों अंगूठा, होही उहाँ अब हस्ताक्षर।

मीत बनिस उल्लास हर, सब इन होही अब साक्षर।

मन में हे उल्लास पूरा हे उल्लास

बुद्ध मंदिर, मैनेपाट





राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, छत्तीसगढ़